सामाजिक उत्थान समिति

ग्राम व पोस्ट – कोटवा नारायनपुर ,सोहाव, तहसील–बलिया

प्रगति रिपोर्ट–वर्ष–2023-24

संक्षिप्त रिपोर्ट– सामाजिक उत्थान समिति की स्थापना 2004 में नारायनपुर गांव में नि:शक्कत व्यक्तियों को समाज की मुख्यधारा से जोडकर उन्हे पुनर्वासित करने के लिए एवं उत्कृष्ट समाज की समर्पित भावनाओ वाली महिलाओ एवं पुरूषो द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों के सर्वागीण विकास एवं समाज के कल्याणकारी कार्यक्रमों का संचालन करने के उद्वेश्य से की गई थी। यह संस्था सोसायटी अधिनियम 21,1860 के अर्न्तगत एवं नि:शक्कत व्यक्ति समान अधिकार, समान अवसर, पूर्ण भागीदारी 1995 की धारा 52 से पंजीकृत अलाभकारी और गैर सरकारी संगठन है। वर्ष 2023-2024 के दौरान इस संस्था के कार्यक्रमों का विवरण निम्न है –

(1) विशेष विद्यालय – संस्था द्वारा 230 M.R.,110 C.P. एवं 73 बहुदिव्यांग के लिए विशेष शिक्षा प्राप्त शिक्षकों द्वारा शिक्षित प्रशिक्षित किया जा रहा है तथा उक्त दिव्यांगो को समय–समय पर वाणी चिकित्सक एवं भौतिक चिकित्सा द्वारा वाणी वचन तथा स्नायु ग्रसित बच्चों की भौतिक एवं व्यवसायिक चिकित्सा कराई जाती है तथा उन्हें दैनिक किया कलाप हेतु शिक्षण प्रशिक्षण दिया जाता हैं।

(I) **सर्वेक्षण आकलन** – संस्था द्वारा जनपद बलिया के विकास खंड सोहाव, गडवार, रसडा एवं हनुमान गंज के साथ–साथ सभी सतरह ब्लाकों में विशेष शिक्षक अवधेश कुमार, नित्यानन्द एवं हसीना ने M.R. एवं C.P बच्चों का सर्वे किया। इस प्रकार के दिव्यांग को एवं उनके अभिभावकों को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओ की जानकारी दी गई एवं दिव्यांगो को मुख्य चिकित्सा अधिकारी महोदय के निर्देशानुसार मेडिकल कॉलेज वाराणसी से बुद्धि परीक्षण कराकर, दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाये गए तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही दिव्यांग पेंशन के लिए आवेदन कराए गए। संस्था द्वारा कुल 265 दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाये गये।

(II) अभिभावक प्रशिक्षण का कार्यकम– संस्था द्वारा मानसिक मंदित विशेष विद्यालय के प्रांगण में श्री कृष्ण शंकर प्रबंधक जी की अध्यक्षता में M.R., C.P., AUTISM के अभिभावकों को 3 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें उन दिव्यांगों की देखरेख तथा मानसिक दिव्यागों के प्रमाण पत्र बनवाने आदि पर विस्तृत जानकारी दी गई तथा अस्थि दिव्यांगो को उपकरण हेतु आवेदन प्राप्त किये गयैं।

प्रबन्धक

(III) जिला दिव्यांग बंधु– संस्था के पदाधिकारी जिला दिव्यांग बंधु के सदस्य है। वर्ष में हर तिमाही माननीय जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में जनपद के स्तर पर बैठक की जाती है, जिसमें दिव्यागों की समस्याओ के निराकरण एवं पुनर्वास हेतु बैठक में वार्ता की जाती हैं तथा शासन द्वारा चलाई ला रही योजनाओ को जिलाधिकारी द्वारा जनपद में संचालित करने को प्रेरित किया जाता है। इसमें हैंडबिल का वितरण कर जागरूकता दी गयी।

(IV) निरामया कार्ड– _जनपद बलिया के ऐसे बच्चे जो I.D/MR, AUTISM, C.P या बहुदिव्यांगता श्रेणी में है और उनका सर्टिफिकेट्स बना है ऐसे बच्चो के लिए संस्था द्वारा निरामया कार्ड बनवाया जाता है।यह योजना भारत सरकार के द नेशनल ट्रस द्वारा संचालित की जाती है। इस योजना को जिले के पंजीकृत R.O ही कर सकतें है। संस्था पंजीकृत है इस योजना के अन्तर्गत अभी तक 480 बच्चे के कार्ड जारी किये गये है।

(V) विशेष बच्चों के अभिभावक प्रशिक्षण कार्यकम–मानसिक मंदित विशेष विद्यालय द्वारा यह सुनिश्चित किया गया कि विशेष बच्चों के जो अभिभावक है। उन्हे यह पता नहीं हैं कि विशेष बच्चो की देखभाल कैसे किया जाए। जिससे उनके बौधिक स्तर में व रहन–सहन में कैसे सुधार किया जाए। संस्था द्वारा विशेष बच्चों के अभिभावकों के प्रशिक्षण के लिए स्कूल के ट्रेंड ग्रेजुएट टीचर पंकज प्रसाद व स्पेशल टीचर नित्यानंद को नियुक्त किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 150 विशेष बच्चों के अभिभावको को प्रशिक्षित किया गया।

(VI) कॅम्यूनिटी बेस द्वारा स्पेशल शिक्षा की शुरूआत– _संस्था द्वारा संचालित विशेष विद्यालय (मानसिक मंदित विशेष विद्यालय (आवासीय)) द्वारा जिले में मानसिक मंदित बच्चों को जिनकी उम्र 23 साल से कम होती हैं। उनको शिक्षित, प्रशिक्षित और कौशलपूर्ण बनाया जाता हैं। चूँकि जनपद में एकमात्र स्कूल होने के कारण सभी विशेष बच्चों को स्कूल आने में असुविधा होती हैं। जिसके कारण बहुत सारे बच्चों को स्कूल द्वारा मिलने वाली सुविधाए नहीं मिल पाती हैं। इसलिए संस्था ने स्कूल के माध्यम से उन सभी बच्चों को विद्यालय के विशेष क्रियाकलापो द्वारा लाभान्वित करने के लिए जगह–जगह सामूहिक प्रशिंक्षण/ शिक्षण कि शुरूआत किया गया है। कुछ जगह का प्रशिक्षण सप्ताह में 4 दिन व कुछ जगह प्रशिक्षण/ शिक्षण सप्ताह में 3 दिन निर्धारित किया गया हैं। विशेष विद्यालय द्वारा जनपद में वर्तमान समय में कुल 20 जगह कॅम्यूनिटी बेस का कार्यक्रम संचालित किया जा रहा हैं।

(VII) साप्ताहिक अभिभावक प्रशिक्षण– मानसिक मंदित विशेष विद्यालय द्वारा विशेष बच्चों के माता–पिता /अभिभावकों को बहुत सारी ऐसी वस्तुए व क्रियाकलाप होते हैं। जिसको सामने से ही सीखा या समझा जा सकता हैं। अतः इस कार्यक्रम के अंतर्गत विशेष बच्चों के माता –पिता व अभिभावकों को एक सप्ताह के लिए स्कूल कैम्पस में प्रशिक्षण का कार्यक्रम

प्रबन्धक

रखा गया। इस प्रशिक्षण में अभिभावकों व माता–पिता को बच्चों के चिन्हांकरण से लेकर उनके व्यवसाय तक कैसे व क्या किया जाए। यह बताया गया इस योजना के अंतर्गत 47 विशेष बच्चों के अभिभावको को प्रशिक्षित किया गया।

(VIII) वर्ल्ड आटिज्म दिवस (2 अप्रैल 2023) मानसिक मंदित विशेष विद्यालय पर विश्व आटिज्म जागरूकता दिवस बहुत ही धूम धाम के साथ स्पेशल बच्चों व उनके अभिभावकों के बीच मनाया गया। इस दिन बच्चों के बीच पेन्टिग, जलेबी दौड़ और थम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा सभी प्रतियोगी बच्चों को पुरस्कार प्रदान किया गया। बच्चों के बीच बच्चों द्वारा केक भी काटा गया। कार्यक्रम के अंत में विशेष शिक्षक पंकज, नित्यानन्द और हसीना द्वारा आटिज्म पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के समाप्ति के समय सभी को जलपान व कैलेण्डर वितरित किया गया

(IX) आज दिनांक 11/04/23 को मानसिक मंदित विशेष विद्यालय पर **वर्ल्ड Parkins डे** मनाया गया। पार्किंशन्स एक ब्रेन डिस आर्डर है एजिसमे लोगो के शरीर में अनचाहे मूवमेंट्स होने लगते है। इस बीमारी से पीड़ित लोगो को चलने फिरने में परेशानी होती है। एजिससे उनके शरीर का बैलेंस बिगड़ने लगता है। ऐसे वयक्ति किसी दूसरे वयक्ति से सही तरीके से बात तक नहीं कर पता है। ऐसे लोगो को मेमोरी लॉस और डिप्रेशन की समस्या भी हो जाती है

प्रबन्धक

(X) आज दिनांक 17/04/23 को मानसिक मंदित विशेष विद्यालय पर वर्ल्ड Himophilia डे मनाया गया। हिमोफिलिया एक दुर्लभ आनुवंशिक स्थिति है। जो रक्त के थक्का बनाने की छमता को प्रभवित करती है। इस स्थिति के कारण सर्जरी या चोट के दौरान लम्बे समय तक रक्त स्राव होता है। गंभीर मामलो में आतंरिक रक्त स्राव अंगो को नुकसान पंहुचा सकता है जिससे मृत्यु होसकती है। हिमोफिलिया के बारे में जागरूकता बढाने के लिए एहर साल 17 अप्रैल को विश्व हिमोफिलिया दिवस मनाया जाता है।

(XI) मई 08/04/23 वर्ल्ड थैलेसीमिया डे- थैलेसीमिया आनुवंशिक रक्त विकारो का एक समूह है ,जिसमे असमान्य हीमोग्लोबिन उत्पादन होता है जिसके कारण लाल रक्त कोशीकाओ की संख्या कम हो जाती है और एनीमिया हो जाता है। इस दिवस का उद्देश्य थैलेसीमिया से पीड़ित वयक्तियो की रोकथाम ,उपचार और सहायता के बारे में जनता को शिक्षित करना ,तथा अनुवांशिक परिक्षण और गुडवत्तापूर्ण स्वास्थय सेवा तक पहुंच के महत्त्व पर बल देना है।

प्रबन्धक

(XII) 18/05/23 GADD DAY – ग्लोबल एक्सेसिबिलिटी अवेयरनेस डे का उद्देश्य सभी को डिजिटल एक्सेस या समावेशन और विभिन्न विकलांगता वाले लोगो के बारे में बात करने,सोचने और सिखने के लिए प्रेरित करना है। GADD का उद्देश्य वैश्विक पहुंच के लिए जागरूकता बढ़ाना है। वैश्विक पहुंच का अर्थ है यह सुनिश्चित करना की सभी को डिजिटल प्लेटफॉर्म का अनुभव करने के सामान अवसर मिले और इसे सम्भव बनाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाय लागु करना।है।

(XIII) 24/05/23- Sachizophenia day – सिजोफ्रेनिया एक मानसिक बीमारी है। इस बीमारी में पीड़ित बयक्ति के सोचने ,समझने और बयवहार में बदलाव आ जाता है। सिजोफ्रेनिया के प्रति लोगो में जागरूकता की कमी होने के कारण लोग इसको भूत-प्रेत से जोड़कर देखते है और झाड़-फुक जैसे कई अंधविश्वास करवाते है। इसकी वजह से सिजोफ्रेनिया से पीड़ित व्यक्ति की हालत और भी ज्यादा बिगड़ जाती है। इस लिए हर साल सिजोफ्रेनिया के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए हर साल 24 मई को विश्व सिजोफ्रेनिया दिवस मनाया जाता है। सिजोफ्रेनिया जैसी मानसिक स्थिति सिर्फ एक बयक्ति को नहीं बल्कि परिवार के सदस्यों और आस -पास के लोगो को भी प्रभावित करती है।

प्रबन्धक

(XIV) 30/05/23 वर्ल्ड मल्टिपल स्क्लेरिरोसिस डे - मल्टिपल स्क्लेरिरोसिस मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी की एक संभावित रूप से अक्षम करने वाली बीमारी है। मल्टिपल स्क्लेरिरोसिस में,प्रति रक्षा प्रणाली तंत्रिका तंतुओ को ढकने वाले सुरक्षात्मक आवरण पर हमला करती है और आपके मस्तिष्क और आपके शरीर के बाकि हिसो के बीच संचार समस्याओ का कारण बनती है। अंततः यह बीमारी तंत्रिका तंतुओ को स्थायी क्षति या गिरावट का कारण बन सकती है

(XV) 19/06/23 वर्ल्ड सिकल सेल डे- सिकल सेल एक जेनेटिक ब्लड डिस ऑर्डर है,जो रेड ब्लड सेल्स को प्रभावित करता है। बता दे स्वस्थ रेड ब्लड सेल्स गोल और लचीली होते है ,जो शरीर के सभी हिस्सों तक ऑक्सीजन को पहुंचने में मदद करते है। जब सिकल सेल रोग के दौरान ये रेड ब्लड सेल्स क्रिसेंट सेप के आकर के और कठोर हो जाते है। सिकल सेल डिस ऑर्डर एक ऐसी स्थिति है।,जिसमे रेड ब्लड सेल की कमी होने की वजह से शरीर के हर हिस्से में ऑक्सीजन ठीक तरह से नहीं पहुंच पता है जिससे वयक्ति को दर्द ,थकन ,संक्रमण के साथ कई गंभीर स्वास्थय समस्याएं हो सकती है।

सामाजिक उत्थान समिति
प्रबन्धक
बलिया (उ०प्र०)

(XVI) 21/06/23- इंटरनेशनल दिवस योगा- योग शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के युज से हुई है ,जिसका मतलब होता है आत्मा का सार्वभौमिक चेतना से मिलन। योग लगभग 10 हज़ार साल से भी अधिक समय से अपनाया जा रहा है वैदिक संहिताओ के अनुसार तपस्वियों के बारे में प्राचीन कल से ही वेदो में इसका उल्लेख मिलता है सिंधु घाटी सभ्यता में भी योग और समाधी को प्रदर्शित करती मुर्तिया प्राप्त हुई।

योग व्यायाम का ऐसा प्रभावशाली प्रकार है, जिसके माध्यम से न केवल शरीर के अंगो बल्कि मन ,मस्तिष्क और आत्मा में संतुलन बनत्य जाता है। यही कारण है की योग से शारीरिक व्याधियों के आलावा मानसिक समस्याओ से भी निजात पायी जा सकती है।

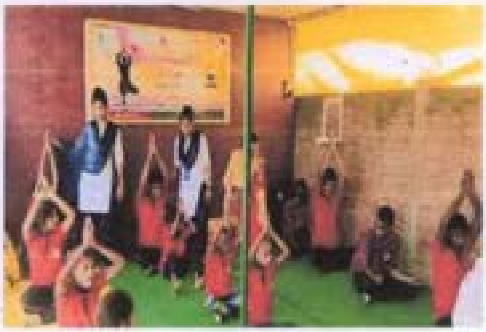

(XVII) 27/06/23 हेलेन केलर डे- हेलेन केलर को दुनिया भर में भरी बधाओ का सामना करने में साहस के प्रतीक के रूप में जाना जाता है। फिर भी वह इससे कही बढ़ कर थी एक शानदार बुध्दि ,उच्च महत्वकांक्षा और महान उपलब्धियों वाली महिला ,व दुसरो के प्रति अपनी गहरी करुणा से प्रेरित थी और उन्होंने अपना जीवन उन्हें सवस्थ और उत्पादक जीवन जीने के लिए महत्वपूर्ण बधाओ को दूर करने में मदद करने के लिए समर्पित कर दिया ।

प्रबन्धक

(XVIII) रक्षाबंधन-इस राष्ट्रीय त्यौहार को संस्था के दिव्यांग बच्चों एवं बच्चियों के द्वारा मनाया गया। बच्चियों से बच्चों के कलाई पे रक्षा सूत्र बंधवाया गया एवं मिष्ठान खिलाया गया।

(XIX) स्वतंत्रता दिवस- इस दिन क्षेत्र के पूर्व शिक्षक श्री मदन की अध्यक्षता में ध्वजा रोहण किया गया। बच्चों का सांस्कृतिक कार्यक्रम कराकर, क्षेत्र के समस्त जनता के बीच प्रोग्राम का संचालन कर मिष्ठान वितरित किया गया।

प्रबन्धक

(XX) विश्व डचेन जागरूकता दिवस -07/09/2023 को मानसिक मंदित विशेष पर विश्व डचेन जागरूकता दिवस मनाया गया। डचेन एक अनुवांशिक दुर्लभ बीमारी है जो डिस्ट्रोफिन नामक एक गैर कार्यात्मक प्रोटीन के कारण प्रगतिशील मांशपेशी क्षय और कमजोरी का कारण बनती है जो मांशपेशियों की कोशिकाओं को बरकरार रखने में मदद करती है। ऐसा माना जाता है की यह न्युरॉश की जानकारी को जोड़ने और साझा करने की क्षमता को प्रभावित करता है । जो सिखने और वयवहार सम्बन्धी कठिनाईओ से भी जुड़ा हो सकता है।

(XXI) 23/09/23 सांकेतिक भाषा दिवस – अंतराष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस हर साल 23 सितम्बर को मनाया जाता है। इस दिन को मानाने का मुख्य उद्देश्य है लोगो को सांकेतिक भाषा के महत्व के बारे में जागरूक करना। बधिरलोगो के लिए सांकेतिक भाषा काफी मायने रखता है। इसमें उंगलियों या हाथ के इशारो के माधयम से बातचीत की जाती है इसमें । शरीर के हाव-भाव से वयक्ति से बात चित की जाती है। ऐसी हाव -भाव को साइन लैंग्वेज कहा जाता है।

(XXII) 2 अक्टूबर – इस दिन देश के दो महापुरूष महात्मा गाधी और लाल बहादुर शास्त्री का जन्म दिवस स्कुल के प्रांगण में बच्चों के बीच मनाया गया।

प्रबन्धक

(XXIII) **वर्ल्ड सेरेबल पाल्सी डे** –6 अक्टूबर आज विशेष विद्यायल पर वर्ल्ड सेरेबल पाल्सी डे मनाया गया। सेरेब्रल पाल्सी बचपन में होने वाली सबसे आम बीमारी है यह एक न्यूरो डेवलपमेन्टल डिसऑर्डर है जिसका मतलब है की गर्भावस्था के शुरुवाती महीनो , जन्म के दौरान या जन्म के तुरंत बाद या बचपन में ख़राब रक्त आपूर्ति , ऑक्सीजन , ग्लूकोज या कैल्शियम की आपूर्ति में कमी , संक्रमण आघात और समय से पहले जन्म के कारण मस्तिष्क के विकास में बाधा उत्पन्न होती है। मामलो का एक बहुत छोटा प्रतिशत अनुवांशिक कारणोंऔर तनाव के कारण होता है। शोध ने यह शाबित कर दिया है की अधिकांश मामलो कई कारणों के एक साथ काम करने के कारण होते है। जो घटनाओ के एक क्रम को लाते है। जिसके परिणामस्वरूप गर्भावस्था के पाचवे महीने से लेकर जीवन के पहले दोवर्षो तक विकाश के तेज और कमजोर चरण के दौरान मस्तिष्क कोशिका मृत होती है।

(XXIV) डिस्लेक्सिया डे –8 अक्टूबर को मानसिक मंदित विशेष विद्याल पर डिस्लेक्सिया डे मनाया गया है। विश्व डिस्लेक्सिया दिवस प्रतेक वर्ष 8अक्टूबर को

प्रबन्धक

मनाया जाता है। डिस्लेक्सिया एक आम सिखने का विकार है। जो किसी वयक्ति पढ़ने और लिखने की क्षमता को प्रभावित करता है। पढ़ने और धरा प्रवाहलिखने जैसे कौशल को हलके में लेना डिस्लैक्सिया से पीड़ित वयक्ति अक्सर जल्दी से पढ़ने और गलतिया किये बिना लिखने में असमर्थ होते है। डिस्लेक्सिया से पीड़ित वयक्ति पढ़ने, लिखने शब्दावली और हाथ , आँख के समन्वय की आवश्यकता वाले कार्यों में संघर्ष कर सकते है विश्व डिस्लेक्सिया दिवस इन मुद्दों केबारे में जागरूकता बढ़ता है और इस तरह के विकार को प्रबंधित करने के लिए क्या किया जा सकता है। इस दिन का उद्देश्य समावेशिता , शिक्षा तक पहुंच और डिस्लेक्सिया से पीड़ित वयक्तियो को उनके सिखने के प्रयासों में सहायता करने के लिए प्रभावित रड़नीतियों के कार्यान्वयन को बढ़ावा देना है।

(XXV) वाइट केन सेफ्टी डे- मनाया गया। सबसे पहले साल 1931 के दौरान फ़्रांस में गुइली डी हार्बन्थ के द्वारा नेत्रहीन लोगो के हित में एक राष्ट्रिय श्वेत छड़ी आंदोलन की शुरुवात की गयी थी । इस दौरान अमेरकी राष्ट्र पति लिंडल जॉन्सन ने पहली बार इस उद्घोषणा को हरी झंडी दिलखाई थी जिसके बाद नेशनल फेडरेशन ऑफ द ब्लाइंड के आग्रह पर संयुक्त राज्य कांग्रेस ने साल 1964 में हर साल 15 अक्टूबर को वैट केन सेफ्टी डे मानाने का प्रस्ताव पेश किया।

इस दिन का मुख्य उदेशय दुनिया भर के लोगो को नेत्रहीन और द्रिष्टिबाधित लोगो की परेशानी से अवगत करवाना है। वे किसी तरह बिना किसी सहारे के अपना जीवन जीते है और अपने दैनिक कार्यो को करते है।

प्रबन्धक

(XXVI) SIGHT DAY – विश्व दृष्टि दिवस हर साल अक्टूबर के दूसरे गुरुवार को मनाया जाता है , यहएक वैश्विक कार्यक्रम जिसका उदेशय अंधापन और दृष्टि हानि की ओर ध्यान आकर्षित करना है। इसका शुरुवात मूल रूप से 2000 मे लायंस क्लब इंटरनेशनल फाउंडेशन के साइटफर्कैंपेन द्वारा की गयी थी।

(XXVII) वर्ल्ड डंवारफिज्म डे -25 **अक्टूबर को मानसिक मंदित विशेष विद्यालय पर वर्ल्ड डंवारफिज्म डे मनाया गया।** हर साल 25 अक्टूबर को अंतराष्ट्रीय बौनापन जागरूकता दिवस मनाया जाता है। इस दिन छोटे लोगो के प्रति जागरूकता फैलाई जाती है। यह एक ऐसी हड्डी बृद्धि संबंधी बीमारी है जो बौनेपन का कारण कारण बनती है। बौनापन की विशेषता सर और धड़ की तुलना में हाथ और पैर छोटे होना है बड़ा सिर, कमजोर मांशपेशी टोन स्लिप एपनिया और स्पाइनल स्टेनोसीस भी कभी कभी मौजूद होते है। बौनेपन से पीड़ित पुरुषो की औसत इकाई 4 फिट , 4इंच है। बौनेपन से पीड़ित महिलाओ कीऔसत उचाई 4फिट , 1 इंच है। बौनेपन से पीड़ित अधिकांश लोगो की अंतिम उचाई 4फ़िट 10 इंच या उससे काम होती है।

प्रबन्धक

(XXVIII) वर्ल्ड आकयुनेशनल थेरेपी डे - 27 अक्टूबर को मानसिक मंदित विशेष विद्याल पर वर्ल्ड आकयुनेशनल थेरेपी डे मनाया गया। व्यावसायिक चिकित्सक घायल या विकलांग रोगियों को उपचार प्रदान करते है। वे उन बच्चो के साथ भी काम करते है जिनकी विशेष जरूरते है या जिन्हे कुछ कौशल हासिल करने में मदद की जरूरत है व्यावसायिक चिकित्सक वरिष्टनागरिको को या विकलांग लोगो के लिए आवशयक उपकरणों और घर के संशोधनों प्रकारो पर सिफारिशें करते है हर साल 27 अक्टूबर को विश्व व्यावसायिक चिकित्सा दिवस व्यावसायिक चिकित्सा के मिशन और लक्ष्यों को बढ़ावा देता है यह दिन व्यावसायिक चिकित्सको और उनके वैश्विक प्रभाव के बारे में जागरूकता भी बढ़ता है ।

(XXiX) वर्ल्ड स्ट्रोक डे - आज दिनांक 29/10/23 को मानसिक मंदित पर वर्ल्ड स्ट्रोक डे मनाया गया। ब्रेन स्ट्रोक एक मेडिकल आपदा है , जिसमे मस्तिष्क के किसी हिस्से की आपूर्ति रक्त परिसंचरण में रूकावट होती है या ब्लड सप्लाई कम होने से ब्रेन के किसी भाग के मृत्यु हो सकती है। वैश्विक स्तर पर स्ट्रोक का खतरा बढ़ रहा है। पहले बुजुर्गो में होने वाली इस बीमारी से अब युवा आबादी भी परेशान हो रही है। विश्व स्वस्थ सगठन के आकड़ो के मुताबिक , हर

प्रबन्धक

साल डेढ़ करोड़ से अधिक लोग स्ट्रोक का शिकार हो रहे है और करीब पचास लाख लोगो की मौत हो जाती है।

(XXX) 02/11/23- विशेष बच्चो के बौद्धिक विकास के लिए बच्चो को सामाजिक परिवेश व सामाजिक समरसता की बहुत जरुरत होती है। इस चीज को ध्यान में रखते हुए विशेष विद्यालय द्वारा प्रति वर्ष चार या पांच नईजगहों का परिभ्रमण व देशाटन कराया जाता है।

(XXXI) इंटरनेशनल प्रोस्थेट्सिस एंड आर्थोटिक्स डे - मानसिक मंदित विशेष विद्यालय के विशेष बच्चो द्वारा 05/11/23को इंटरनेशनल प्रोस्थेट्सिस एंड आर्थोटिक्स डे मनाया गया। अंतराष्ट्रीय प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स दिवस का उदेश्य उपयोगकर्ताओं के लिए प्रोस्थेसिस और आर्थोसिस के महत्व को उजागर करना और जागरूकता बढ़ाना है तथा प्रोस्थेटिक्स और आर्थोसेटिक्स सेवाओं तक न्याय संगत और उचित पहुंच सुनिश्चित करने के लिए आगे संसाधन उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। कृत्रिम अंग और

प्रबन्धक

आर्थोसिस उपयोग करता की गतिशीलता , निपुणता या काम काज को बढ़ा सकते है , दर्द को कम कर सकते है , कास्मेटिस्क को बहाल कर सकते है , जोड़ो की रक्षा कर सकते है , विकृतियों को रोक सकते है /ठीक कर सकते है , और द्वितीयक हानि को रोक सकते है। अधिकांश कृत्रिम अंग और आर्थोसिस लम्बे समय तक और /या सिमित अवधि के लिए आवश्यक होते है

(XXXII) मानसिक मंदित विशेष विद्यालय के विशेष बच्चो द्वारा 17/11/2023 को **नेशनल एप्लेप्सी डे** मनाया गया। यह दिवस मिर्गी से पीड़ित लोगो को अपने अनुभव और कहानिया वैश्विक दर्शको के साथ साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। यह दिवस सभी लोगो से उचित कानून की वकालत करने का आह्वान भी करता है जो मिर्गी से पीड़ित लोगो के मानवाधिकारों की गारंटी देगा और मिर्गी से पीड़ित लोगो को अपनी पूरी क्षमता के साथ जीने के लिए प्रोत्साहित करेगा। मिर्गी दिवस का उदेश्य आम जनता को मिर्गी के बारे में जागरूक करना और शिक्षित करना है तथा बेहतर उपचार ,बेहतर देखभाल और अनुसन्धान में अधिक निवेश की तत्काल आवश्यकता के बारे में बताना है।

प्रबन्धक

(XXXIII) अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग जन सशक्तिकरण दिवस पर कार्यकम - संस्था ने 3 दिसंबर 2023 को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग सशक्तिकरण दिवस के अवसर पर विशेष विद्यालय नारायनपुर के द्वारा M.R., C.P., AUTISM द्वारा खेलकुद प्रतियोगिता एवं नृत्य रंगोली आदि कार्यक्रम किये गये। इस अवसर पर समाजसेवी बंशीधर, ग्राम प्रधान नारायनपुर तथा दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की उपस्थिति में आयोजन किया गया। प्रथम, द्वितीय व तृतीय मेधावियों के साथ संस्था में कार्यरत कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया। M.R. बच्चों को उनके मानसिक विकास के लिय M.R. किट का वितरण किया गया।

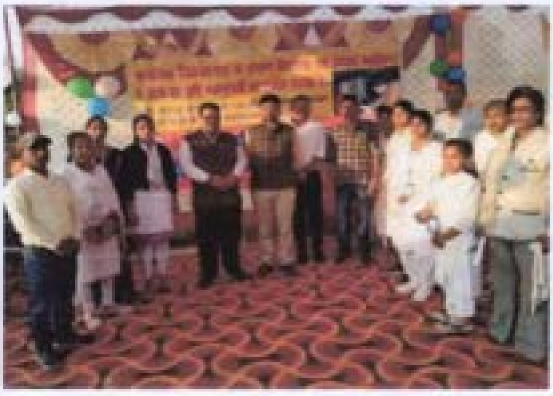

. **(XXXIV) 1 जनवरी -(स्पेशल जन्म दिन प्रोग्राम)** - ब्लाक सोहाव के प्रमुख वंशीधर की अध्यक्षता में 110बच्चों का जन्मदिन केक काटकर बड़े धूमधाम से मनाया गया। सभी अभिभावक व आगन्तुको को जलपान भी कराया गया। जन्म दिन समारोह में शामिल होने वाले सभी आगन्तुको को स्कुल का प्रगति रिर्पोट व 2024का कैलेन्डर दे करके विदा किया गया। कोरोन काल को देखते हुए शोसल डिस्टेनसिंग व मास्क अनिवार्य किया गया।

प्रबन्धक

(XXXV) मानसिक मंदित विशेष विद्यालय के विशेष बच्चो द्वारा वर्ल्ड ब्रेल डे दिनांक 04/01/24-हर साल 4 जनवरी को विश्व ब्रेल दिवस मनाते है क्यों की यह लुइ ब्रेल का जन्म दिन ह। ये ब्रेल के अविष्कारक है लुइ का जन्म 1809 में फ्रांस में हुआ था और बचपन में हुई दुर्घटना के बाद वे अंधे हो गए थे। लेकिन उन्होंने जल्दी ही अपने नए जीवन जीने के तरीके में महारत हासिल कर ली । जब लुइ केवल 15वर्ष के थे ,तो उन्होंने चार्ल्स बारबियर रात्रि लेखन प्रणाली पर आधारित एक पढ़ने और लिखने की प्रणाली बनाई। हम आज लुइ की प्रणाली को ब्रेल के रूप में जानते है समय के साथ समायोजित ,ब्रेल अब पढ़ने में आसान है और दुनिया भर में इसका उपयोग किया जाता है। विश्व ब्रेल दिवस अंधे या दृस्टि बाधित लोगो के लिए सुलभता और सवतंत्रता के महत्व की याद दिलाता है.

(XXXVI) 26 **जनवरी (गणतंत्र दिवस प्रोग्राम)** – हर साल की भाति इस साल भी 26 जनवरी का प्रोगाम संस्था की कोषाध्यक्ष श्रीमती रीना द्वारा ध्वजारोहण कर किया गया। मिष्ठान वितरित कर कार्यक्रम को सम्पन्न कर दिया गया। कोरोना काल को देखते हुए सोशल डिस्टेनसिंग व मास्क अनिवार्य किया ।

प्रबन्धक

(XXXVII) वर्ल्ड ले प्रोसी डे - आज विशेष विद्यालय मानसिक मंदित विशेष विद्यालय पर वर्ल्ड ले प्रोसी डे 31 /01 /2024 विशेष बच्चो द्वारा मनाया गया । विश्व कुष्टदिवस हर साल जनवरी के आखिरी रविवार को मनाया जाता है। विश्व कुष्ट दिवस मानाने का उदेश्य इस रोग से जुड़े कलंक के विरुद्ध जागरूकता पैदा करना है तथा आम समुदाय को यह बताना है की यह एक प्रकार के जीवाणु से फैलने वाला रोग है तथा इसका आसानी से इलाज किया जा सकता है।

(XXXVIII) दिनांक-18/02/2023- को मानसिक मंदित विशेष विद्यालय पर इंटरनेशनल एस्पर्जर्स डे विशेष बच्चो द्वारा मनाया गया। एस्परगर सिंड्रोम एक न्यूरो बायोलाजिकल विकार है जिसमे सामाजिक सम्बन्धो में ऑटिजम जैसी असमान्यतायें होती है लेकिन सामान्य बुदधि और भाषा अधिग्रहण होता है इस विकार का नाम ऑस्ट्रियाई चिकितसक के नाम पर रखा गया है हंस एस्परगर एजिन्होंने पहली बार 1944 में लक्षणों का वर्णन किया था एएक ऐसी स्थिति से सम्बंधित थे जिसे उन्होंने आटिस्टिक साइकोपेथी कहा था।

सामाजिक उत्थान समिति
प्रबन्धक
बलिया (उ०प्र०)

(XXXIX) आज मांसिक मंदित विशेष विद्यालय पर स्पेशल बच्चो द्वारा वर्ल्ड डे ऑफ सोशल जस्टिम मनाया गया।20/02/24 विश्व सामाजिक न्याय दिवस हमे हर साल अधिक न्याय पूर्ण ,अधिक समतापूर्ण समाज बनाने की आवश्यकता की याद दिलाना है।

(XL) इंटरनेशनल व्हीलचेयर डे – मानसिक मंदित विशेष विद्यालय के विशेष बच्चो द्वारा 01/03/24 को इंटरनेशनल व्हीलचेयर डे मनाया गया । अंतराष्ट्रीय व्हील चेयर डे पहली बार 1 मॉर्च 2008 को मनाया गया था जिसका उदेश्य व्हील चेयर उपयोगकर्ताओं केबारे में अधिक सकारात्मक धरना को बढ़ावा को सम्बंधित करना था। यह विकलांग वयक्तियो की उपल्बधियो और योगदानो को उजागर करते हुए साल 1मार्च को मनाया जाता है।

प्रबन्धक

(XLI) मानसिक मंदित विशेष विद्यालय के बच्चो द्वारा 03/03/2024 को वर्ल्ड हियरिंग डे मनाया गया। धवनि प्रदूषण को समाप्त करने और मानव और पर्यावरण के बिच सम्बन्धो को समंजस्यपूर्ण बनाने के लिए आंदोलन जारी है विश्व श्रवण दिवस का उदेश्य जागरूकता बढ़ाना और करवाई को प्रोत्साहित करना है।

मनसिक मंदित विशेष विद्यालय के विशेष बच्चो द्वारा 08/03/24 को इंटरनेशनल वुमन डे मनाया गया। अंतराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने का उदेश्य समाज में महिलाओ को बराबरी का हक़ दिलाना साथ ही किसी भी क्षेत्र में महिलाओ के साथ होने वाले भेद-भाव को रोकने के मकसद से भी इस दिवस को मनाया जाता है।

प्रबन्धक

(XLII) वर्ल्ड डाउन सिन्ड्रोम डे– संस्था द्वारा संचालित मानसिक मंदित विशेष विद्यालय में (21/03/24) वर्ल्ड डाउन सिन्ड्रोम डे बहुत ही धूम धाम से मनाया गया। जिसमें बच्चों के बीच म्यूजिक दौड़, कुर्सी दौड़ एवं डांस का प्रोग्राम कराया गया। प्रतियोगिता में फर्स्ट, सेकंड एवं थर्ड वाले बच्चों को पुरस्कार वितरित किया गया। बच्चों के अभिभावकों के बीच वर्ल्ड डाउन सिन्ड्रोम डे के बारे में बताया गया। सभी लोगों को जानकारी के लिये हैण्डबिल का भी वितरण किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी को नाश्ता कराया गय ।

(XLIII). SUS दिव्यांग के द्वार - जनपद बलिया में मानसिक दिव्यागों का सर्टिफिकेट्स नहीं बनता है। जनपद के मानसिक मंद दिव्यांगो के माता–पिता या अभिभावको को बहुत तकलीफो का सामना करना पड़ता है। उनकी परेशानियों को देखते हुये विद्यालय ने एक प्रोग्राम की शुरुआत की है, जिसमें विशेष शिक्षक की टीम पुरे फॉरमेट के साथ प्रत्येक गांव के प्रत्येक दिव्यांगो के घर–घर जाकर उन्हें मिलने वाली सभी सुविधाओं को देना और दिलवाना, जिससे उनकी जिन्दगी भी दुसरो के लिए बोझ न बन सके और वो भी बिंदास जी सके। संस्था द्वारा अभी तक 2780 विशेष दिव्यांगो के लिये कदम उठाये गये है।

संस्था द्वारा प्रमुख बिन्दुओं पर किये गये कार्यो का विवरण -

प्रबन्धक

(2) **वृद्धा आश्रम-** समाज में बढ़ती हुई निजीकरण की भावना व कुर मानसिकता के कारण प्राय: प्रतेक घरो में वृद्धजनों के लिए कोई भी आदर भाव की समर्पण की भावना नहीं है जिसके कारण वृद्धजनों को बहुत ही कषटदायक जिंदगी गुजारनी पड़ रही है। इस समस्या को देखते हुए संस्था ने माँ वृद्धा आश्रम की शुरुआत की है। इसके लिए संस्था द्वारा इस वर्ष कुल 104705 रूपए खर्च किए गए।

(3) <u>महिला जागरूकता कार्यकम व सेनेटरी पैड वितरण कार्यकम</u> - प्रत्येक ग्राम सभा में चाहे वह अरबन क्षेत्र हो या फिर रूलर क्षेत्रो में औरतों की स्थिति आज भी दयनीय है प्रत्येक परिस्थितियों में उन्हे दूसरो पर निर्भर रहना पडता हैं। हम प्रत्येक परिस्थितियों में उन्हे दूसरों पर निर्भर रहना पडता है। हम प्रत्येक ग्राम सभा में एक स्वंय सहायता समूह का निर्माण करते है, उस ग्रुप को हम संस्था के सेनेटरी पैड स्वरोजगार योजना में जोडते है। प्रत्येक प्रन्द्रह दिनपर संस्था के कायकर्ता प्रत्येक की मीटिंग में शामिल होते है व प्रत्येक मेम्बर्स को उनके अधिकार व कर्तब्य बताये जाते है व संस्था के कार्यकर्ता निम्न बिन्दुओं पे चर्चा करते है। इस योजना में कुल 41584 रू0 खच हुए।

(1) हमारे समाज में बेटी का योगदान
(2) सरकार की योजनाएँ
(3) हम व हमारा पर्यावरण
(4) स्त्रियों के अधिकार
(5) पेड, पौधे व प्रकृति

प्रत्येक स्वंय सहायता समूह की गोष्ठी में सेनेटरी पैड औरतों में बाटा जाता है। संस्था का यह प्रयास है कि प्रत्येक औरत समाज की मुख्य धारा में शामिल हो सके। प्रत्येक औरत समाज की मुख्य धारा में शामिल हो सके। संस्था द्वारा इस समय 80 स्वंय सहायता समूह संचालित है। जो सेनेटरी पैड यूनिट चितबडागॉव, गाजीपुर व मउ से जुडकर काम कर रहे है।

(4) **<u>व्यवसायिक व हैन्डिक्राफ्ट् प्रोग्राम</u>**. संस्था द्वारा पूर्वांचल में पहला सेनेटरी पैड का उत्पादन शुरू किया गया। संस्था द्वारा जो मशीन लगाई गई वह मशीन एम. मुर्गानाथम द्वारा इजात की गई मशीन है। इस मशीन द्वारा उत्पादित सेनेटरी नेपकिन पूरी तरह से हाइजेनिक है। इसकी किमत बहुत ही कम है। डेढ लाख सेनेटरी नेपकिन का वितरण सोहॉव ब्लॉक, हनुमानगंज, गडवार, रसडा, बॉसडीह

प्रबन्धक

आदि ब्लाकों में किया जाता है। जिसमें महिलाओं के स्वास्थ्य के पूरी जानकारी व मासिक के दिनों में स्वास्थ्य संबधी बचाव बताया जाता है। इस योजना में कुल 15467 रू0 खर्च हुए।

(5) **पर्यावरण जागरूकता –** पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम के अंर्तगत पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए एक ओर जहाँ प्रदुषण मुक्त रखने के विश्वव्यापी उपाय अपनाये जाने की बात कही गई है। पर्यावरण संरक्षण के बारे में पर्यावरण संरक्षण के लिए हमें पेड़–पौधे लगाना चाहिए जिससेहमें प्रदुषण रहित हवा मिल सके। पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम के अंर्तगत हमारे ब्लॉक सोहॉव में इसका कैंम्प लगाकर पर्यावरण जागरूकता अभियान के बारे में हमारे संस्था के वालंटियर द्वारा जानकारी प्रदान की गई है। ब्लॉक भावरकोल, रसड़ा आदि जगहों पे इसका आयोजन किया गया। इस योजना में कुल 4058 रू0 खर्च हुए।

प्रबन्धक

Samajik
Utthan Samiti